

बैठकी

"आतंकवाद से भी खतरनाक जातिवाद-15"

शाम के सात बज गये हैं । मैं कॉलेजेट की आवाज की प्रतिक्षा कर हीं रहा था कि घटी घनघन उठी और हम सभी बैठकछाने में—

सुना आपलोंगे, ने, कांग्रेस के आचार्य प्रमोद कृष्णन ने कांग्रेस को हिंदू धर्मी थीव सुधारने की नसीहत दे डाली है । ---- बैठते हीं कुंबरजो शुरू हो गये ।

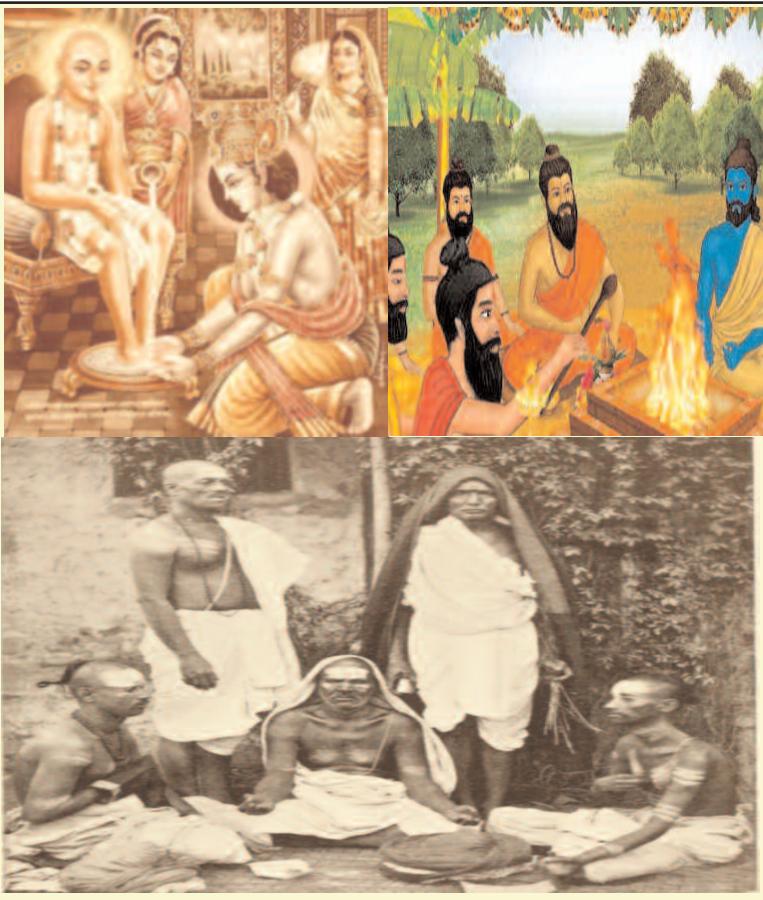
सौ चुहे खाकर अब बिल्ली हड़ करने चलेगी क्या ! ! आजादी के बाद से हीं हिन्दू और हिंदू संस्कृति को मिटाने का सारा प्रक्रम कक्षे थक गयी क्या ! ! अब अधिकांश हिन्दू, कांग्रेस की शाजसों को समझने लगा हीं जो, कांग्रेस के आतंक लक्ष्य "गजब ए हिंद" में धब्बक बन रहा है तो अब नयी चाल के मद्देन आचार्य प्रमोद कृष्णन ने हिन्दू विशेष की छवि सुधारने की नसीहत दे डाली है । --- पारस नेता ने विचार रखा ।

बिलकुल सही कहा है नेताजी ने, कांग्रेस ने अपने शासन काल के अंतिम क्षांतों तक कायूल वालोंस एक पास करने की पुराज विशेष की ताकि हिंदूसामने में हिन्दू सुखलामानों का गुलाम बनकर रह जाय ! इस बिल के पास होते हीं ठीक मुगल काल की स्थिति पुनः भारत में होती तभी तो, गांधी खानदान उस समय भी सत्ता में बने रहने के उद्देश्य से अपनी अगली पीढ़ी-प्रियका बाढ़ा उर्फ़प्रियका गांधी के लिंडे-का का नाम रहेन रखा है कि "गजब ए हिंद" होने के पथ अपने को मुख्य समाजक करने हेतु रेहान के साथ खान जोड़कर, रेहान खान कर दिया जाता और प्रचारान्वयन किया जाता कि रेहान खान तो मुस्लिम है ! इसतरह गांधी खानदान को, इस्लामिक स्टेट बन चुके, भारत की सत्ता की गदी पर कुड़ली जमाय रखने में काई परेशानी होती हीं । --- उमा काका ज्योतिषी की भूमिका में लगे ।

बाप रे, भारत में मुलायम के अईला से लेके आज तक, इदेश में हिंदूअन के खिलाफ, बर्बे पहिले, भविष्य के शाजिस बन जाता आ बिवकूफ हिन्दू जातियों में डूबत उत्तर रहता ! --- मुखियाजी भक्त में लगे ।

इसी का न जाता उदाहरण जेनयू में ब्राह्मणों के खिलाफ पोस्टर बाजी हुई है । --- सुरेन्द्र भार्ड याद दिलाये जिसने बहस को नया माझ दे दिया ।

ए. सरजी, मैं तो जाति का चमार हूँ और 25 साल पहले का वो दिन, मैं जीवन में ही भूल



उद्घोषित लगे !

बिलकुल सही कहा मास्टर साहब ने, समाज में किसी का शोषण करने के लिए शक्तिशाली एवं अधिकार संपन्न पद की आवश्यकता होती है । जबकि बैठक काल से हीं ब्राह्मणों का काम रहा है - ज्ञान लेना- ज्ञान देना, दान देना- दान लेना, यज्ञ करना- यज्ञ करना । ये अधिकांश तार पर मदिने में युजारी या पुरोहितमिरी अथवा वेनाहीन अध्यापक का कार्य करने आये हैं । भिक्षाटन, इनसे धनार्जन का एकमात्र साधन रहा है । फिर ऐसे स्थानों पर रहते हुए ये कैसे शोषक हो सकते हैं । आज भी किसी कथा- कहनियों में हम पढ़ते हैं कि एक दरिद्र ब्राह्मण था ।

देखिये, इन्हाँ तो कहु सत्य है कि समाज के किसी भी वर्ग का दूषण वही कर सकता है जो समृद्ध और अधिकार युक्त हो ।

असल में हिंदुओं में "फूट डालो और राज करो" इस सिद्धांत का सहारा भूतकाल से हीं लिया जा रहा है जो वर्तमान में भी जारी है । और इनके लिये बेचारा निरीह ब्राह्मण सबको सहज टोर्ने हैं ।-- उमा काका ने विजित तक रखा ।

काकाजी, सच पुछिये तो भारत का ब्राह्मण एक मृग है और इसकी स्थिति नाजियों के राज्य में यहुदियों जैसी ही गई है । आज भारत में सबसे बुरा स्थिति में ब्राह्मण है लेकिन किसी राजनीतिक दल को इसकी चिंता होनी ! भारत का सप्तांश बनने के बाद चंद्रगुल, चायकांश के चरणों में गौरक बोला- "चलिये मेरे साथ महलों में रंगेये !" तब चायकांश का उत्तर था- "मैं तो ब्राह्मण हूँ, मेरा कर्म है शिश्यों को शिक्षा देना और भिक्षा से जीवन यापन करना !" श्रीकृष्ण की कथा में भी निर्झन ब्राह्मण सुदामा हीं प्रसिद्ध है ।--- सुरेन्द्र भाई ने भी जान बधाया है । और हिंदू समाज को भ्रमित किया । ये तथाकथित बुद्धिजीवी उन विदेशी ध्युषपैठियों के बाद में वर्षों नहीं बताते जिन्होंने लाखों-करोड़ों हिंदुओं के हित्याएं की, लाखों हिंदू श्रियों के इन्जन लूटी और अपहरण है ।

असल में हिंदुओं में भले अपनी जाति चमार वैयाहिक संदर्भ में ही भले अपनी जाति चमार का उल्लेख करना पड़े तो कैरे लेने करवाही भी अपने वर्ष- ब्राह्मण का उल्लेख करना न भूले ।

अपने वर्ष- ब्राह्मण का उल्लेख करना न भूले वैयाहिक वर्ग का आरम्भ हमारे श्रियमिनियों ने कर्म के आधार पर विकसित किया था । अतः आप कहीं भी अपने को ब्राह्मण करा करें ।

उसके बाद सरजी, हमने अपने हिन्दू सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृथक्षमि का गहराई से अध्ययन किया ।-- मास्टर साहब रुके ।

हो सकता है ।

जिस ब्राह्मण ने "लोकों सकलों सुखिनों भवन्तु" का संदेश दिया वो किसी को दुख कैसे दें सकता है ! ! जिस ब्राह्मण के अपना नहीं, पर्यावरण, समाज, देश का हीं नहीं बिलकुल समस्त संसार के कल्याण की कामना करता हो वह स्वार्थी कैसे हो सकता है ।

असल में निहित स्वार्थ में तथाकथित बुद्धिजीवों ने ब्राह्मणों को टार्नेट करके कि ये ब्राह्मण, "चलिये मेरे साथ महलों में रंगेये !" तब चायकांश का उत्तर था- "मैं तो ब्राह्मण हूँ, मेरा कर्म है शिश्यों को शिक्षा देना और भिक्षा से जीवन यापन करना !" श्रीकृष्ण मेरे साथ महलों में रंगेये !" तब अपने जाति चमार के इन्जन लूटी हो गई है ।

असल में निहित स्वार्थ में तथाकथित बुद्धिजीवों को इन्जन लूटी हो गई है ।

अन्य ब्रह्मुद्धों, बड़ी देर हुई, आज इन्हाँ पुनः कल वहीं से चर्चा आरम्भ की जायेगी ।-- कहकर पारस नेता उठ गये और इसके साथ हीं बैठकी भी..... ।



प्रोफेसर राजेन्द्र पाठक (समाजशास्त्री)

विस्मृत समाजवादी राजनीति

सत्ता की लालसा ने बिहार में कमजोर किया लोहियावादी विचारधारा

एक-दूसरे के पूरक हैं।

एक जिले का समाहर्ता अत्यंत पिछड़ी जाति का था । एक सरकारी भव्य समारोह में विवाह के मुख्यमंत्री पश्चात् जिले के लोकों के ब्राह्मणों को इन्जन लूटी हो गई है । इसके अन्त में करेल के अन्त में बल लोगों के ब्राह्मणों को इन्जन लूटी हो गई है ।

1974 का छात्र आन्दोलन जो जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में संचालित था उस आन्दोलन को सम्पूर्ण क्रान्ति आन्दोलन माना गया । यह छात्र चमार लोकों के ब्राह्मणों के सम्मानों में समानता की भावना को स्पृह देने की बात है ।

इस आन्दोलन के बड़े दिसंस का स्वर था ब्राह्मण मिटाना । इसी बीच 1974 के दिसंस के महानीहोने के अन्त में करेल के लोकों के ब्राह्मणों को इन्जन लूटी हो गई है । इसकी अन्तिम घटना नहीं बताती है ।

मांचासी एक नेता ने मुख्यमंत्री को समाजाया कि ये सभी सर्वांग जाति के हैं और पिछड़ी जाति का आनंद देना चाहता है । जिले के लोकों के ब्राह्मणों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

मांचासी जिले के लोकों को इन्जन लूटी हो गई है ।

